PC-111/A

J-3/2041

काव्यशास्त्र

Paper–IV

Time : Three Hours] [Max. Marks : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र चार भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग-I

I. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए।

(क) लक्षणा शब्द शक्ति पर चर्चा करें।

(ख) काव्य-हेतु के स्वरूप को स्पष्ट करें।

(ग) कहानी की परिभाषा देते हुए इसके तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

(घ) नाटक के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए तत्त्वों का वर्णन करें।

(2×15=30)

भाग-II

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(क) सोरठा, हरिगीतिका, छप्पय, बरवै, दोहा छन्दों का लक्षण उदाहरण सहित लिखें।

(ख) उपमा, रूपक, यमा, व्यतिरेक, विभावना अलंकारों के लक्षण देते हुए उदाहरण भी लिखें। (1×10=10)

भाग-III

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(क) अरस्तु के अनुकरण सिद्धान्त का वर्णन करें।

(ख) त्रासदी सिद्धान्त सम्बन्धी अरस्तु की अवधारणा पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें। (1×20=20)

भाग-IV

IV. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्यंजना शब्द शक्ति पर चर्चा करें।
2. विश्वनाथ के काव्य लक्षण पर नोट लिखें।
3. 'शक्ति' काव्य हेतु पर प्रकाश डालें।
4. उपन्यास की कोई दो परिभाषाएं लिखें।
5. 'कुंडलियां' छन्द का लक्षण लिखें।
6. 'उल्लाल' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखें।
7. 'भ्रांतिमान' अलंकार को उदाहरण सहित वर्णन करें।
8. 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का उदाहरण सहित वर्णन करें।
9. 'विरेचन' पर नोट लिखें।
10. 'अनुकरण' का अर्थ स्पष्ट करें। (10×4=40)

———————————